M. A. (Previous) Examination, 2001

PHILOSOPHY

Paper-III

Moral Philosophy

Time: 3 Hours] [Maximum Marks: 100

किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
सभी प्रश्नो के अंक समान है।

1. मूर के अनुसार 'शुभ' किस अर्थ में अपरिभाषेय है? समझाइये।

2. कान्ट एक फल निरपेक्षवादी नीति चिन्तक है- क्यों और कैसे? विस्तारपूर्वक समझाइये।

3. 'समानता' की अवधारणा का विवेचन कीजिये और नैतिकता में उसके महत्व को बताइये।

4. 'आय वितरण' एक नीतिशास्त्रीय विचारणा क्यों है? आय वितरण के विभिन्न सिद्धान्तों का ब्यौरा दीजिये।

5. दण्ड का नैतिक औचित्य तभी है जबकि दण्ड की उचित मात्रा (डिग्री) निर्धारित की जाती है। ऐसा करने में (दण्ड की उचित मात्रा निर्धारित करने में) क्या कठिनाइयाँ है? समझाइये।

6. नैतिक उत्तरदायित्व स्वतंत्र संकल्प पर निर्भर है। परन्तु क्या संकल्प स्वतंत्र है? स्वतंत्र संकल्प के पक्ष-विपक्ष में दिए गये तर्को के प्रकाश में उत्तर दीजिये।

7. असप फल-सापेक्षवादी सिद्धांत से क्या समझते है? उनके विभिन्न प्रकारों को विस्तार से समझाइये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

8. 'न्याय' की अवधारणा की समीक्षात्मक परीक्षा कीजिए।

9. नैतिकता किस प्रकार समाज नियमन का एक सिद्धांत है? नीतिदर्शन के क्षेत्र एवं प्रकृति के संदर्भ में उत्तर दीजिये।

10. 'शुभ जीवन' की विचारणा के विभिन्न सिद्धान्तों को समझाइये।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com